एक नजर में

पनहेटी और कलोरा में दर्ज हुए प्रकरण

गुना। जिले में फसलों के अवशेष (पराली) जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन अब पूरी तरह सख्त मोड में आ गया है। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के कड़े निर्देशों के बाद राजस्व और कृषि विभाग की टीम ने बमोरी क्षेत्र के खेतों में दबिश दी, जहाँ नियमों का उल्लंघन करने वाले आधा दर्जन से अधिक किसानों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। ग्राम पंचायत पनहेटी और कलोरा में पराली जलाते पाए जाने पर कई किसानों के खिलाफ प्रकरण तैयार कर उन पर भारी अर्थदंड (जुमार्ना) अधिरोपित किया जा रहा है। प्रशासनिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि बार-बार की जा रही अपीलों और समझाइश के बावजूद कुछ किसान खेतों में नरवाई जलाकर पर्यावरण को नुकसान पहुँचा रहे हैं। इन सभी के विरुद्ध खेत में आग लगाने के पुख्ता प्रमाण मिलने के बाद वैधानिक प्रकरण तैयार किए गए हैं, जिसके तहत अब इनसे भारी जुमार्ना वसूला जाएगा।

298 करोड़ के बजट से संवरेगा गुना नगरीय क्षेत्र

गुना नगरपालिका अध्यक्ष ने बताया विकास की गति दोगुनी करने वाला

नवभारत न्यूज

गुना 30 मार्च का। शहर के चहुंमुखी विकास और नागरिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगरपालिका परिषद गुना द्वारा सोमवार को आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपना अनुमानित बजट प्रस्तुत कर दिया गया। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता, प्रभारी सीएमओ डॉ. मंजूषा खत्री और उपाध्यक्ष धरम सोनी की विशेष उपस्थिति में आयोजित इस बजट बैठक में शहर के भविष्य का व्यापक वित्तीय खाका खींचा गया।

अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने इस बजट को 'विकासोन्मुखी और जन-हितैषी' करार देते हुए विश्वास जताया कि यह बजट गुना शहर को आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। नगरपालिका द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जो आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया है, वह पूरी तरह संतुलित और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

बजट के आंकड़ों पर नजर डालें तो कुल अनुमानित आय 2 अरब 98 करोड़ 72 लाख प्रस्तावित की गई है। इसके विरुद्ध कुल अनुमानित व्यय 2 अरब 98 लाख 70 लाख 2 हजार रहने की संभावना जताई गई है। इस प्रकार, परिषद ने एक लाख 98 हजार की बचत वाला एक आदर्श बजट पेश किया है। वास्तविक आय और व्यय के धरातल पर देखें तो वास्तविक आय 1 अरब 27 करोड़ 53 लाख 95 हजार और वास्तविक व्यय 1 अरब 27 करोड़ 51 लाख 97 हजार अनुमानित है। परिषद ने अपनी दूरदर्शिता का परिचय देते हुए नियमों के तहत शुद्ध आय का 5 प्रतिशत हिस्सा, जो कि 6,37,55,000 होता है, उसे 'संचित निधि' के रूप में सुरक्षित रखा है ताकि आपातकालीन स्थितियों या बड़े प्रोजेक्ट्स में वित्तीय बाधा न आए। इसके साथ ही, केंद्र और राज्य शासन से प्राप्त होने वाले 1 अरब 64 करोड़ 38 लाख के भारी-भरकम अनुदान को भी बजट का हिस्सा बनाया गया है, जिससे शहर के बड़े बुनियादी ढांचागत प्रोजेक्ट्स को नई गति मिलेगी।

अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता का विजन

बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता ने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि गुना के प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को सुधारने का संकल्प है। उन्होंने इस बजट को शहर के विकास के लिए अत्यंत प्रभावी बताते हुए कहा हमारा लक्ष्य गुना को स्वच्छ, सुंदर और आत्मनिर्भर शहर बनाना है। इस बजट में हमने न केवल बुनियादी ढांचे पर ध्यान दिया है, बल्कि गरीब बस्तियों और स्वास्थ्य सेवाओं को भी केंद्र में रखा है। यह बजट शहर के समग्र और सुनियोजित विकास के लिए पूरी तरह प्रभावी है, जिससे आने वाले समय में विकास की गति दोगुनी होगी।

जन-स्वास्थ्य को दी प्राथमिकता, वेतन, स्वास्थ्य और अधोसंरचना पर जोर

बजट में व्यय के स्वरूप को शहर की अनिवार्य आवश्यकताओं के आधार पर वगीर्कृत किया गया है। बजट का सबसे बड़ा हिस्सा, जो कुल वास्तविक व्यय का 32.64 प्रतिशत यानी 41,62,92,800 है, स्थापना मद में कर्मचारियों के वेतन, भत्तों और प्रशासनिक कार्यों के लिए सुरक्षित रखा गया है। शहर की स्वच्छता और नागरिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए जन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मद में 18,77,57,000 का भारी प्रावधान किया गया है। निर्माण कार्यों के पहिए को तेज घुमाने के लिए 11,15,00,000 की राशि आरक्षित की गई है।

योजनाएं जो बदलेंगी शहर की सूरत: समग्र विकास की दिशा में बजट में कई क्रांतिकारी योजनाओं को शामिल किया गया है। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को और अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बनाने के लिए नई तकनीक और संसाधनों पर जोर दिया गया है। शहर की सुरक्षा और सुंदरता के लिए स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा और सार्वजनिक स्थलों, पार्कों व चौराहों पर बेहतर फर्नीचर व जन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। विशेष रूप से पिछड़ी और गरीब बस्तियों में मूलभूत विकास कार्यों के साथ-साथ सामुदायिक भवनों के विस्तार और मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक जैसी स्वास्थ्य सेवाओं को हर वर्ग तक पहुँचाने के लिए पर्याप्त बजट आवंटित किया गया है।

विपक्ष की मांग और लोकतांत्रिक सहमति

बजट बैठक के दौरान लोकतांत्रिक गरिमा का भी परिचय मिला। जहाँ सत्ता पक्ष के पार्षदों ने विकासोन्मुखी प्रावधानों का खुले दिल से स्वागत किया, वहीं नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ठ ने जमीनी धरातल की समस्याओं को प्रखरता से सदन में रखा। उन्होंने वार्डों में रुके हुए निर्माण कार्यों को शीघ्रता से पूरा करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग उठाई। तीखी बहस और सुझावों के दौर के बाद, अंततः शहर के व्यापक हित और विकास की अनिवार्यता को देखते हुए बजट पर सामान्य सहमति बनी। कुल मिलाकर, नगरपालिका का यह बजट वित्तीय अनुशासन और विकास की आकांक्षाओं का एक बेहतर संतुलन नजर आता है, जिसे गुना के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सकारात्मक और ठोस कदम माना जा रहा है।

पीएम आवास कॉलोनी की बाउंड्री वॉल तोड़कर अवैध कब्जे का प्रयास, नपा अध्यक्ष और सीएमओ ने दर्ज कराई शिकायत

गुना। जगनपुर स्थित प्रधानमंत्री आवास कॉलोनी में भू-माफियाओं और अज्ञात तत्वों द्वारा अवैध अतिक्रमण की कोशिश का मामला सामने आया है। अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कॉलोनी की बाउंड्री वॉल को क्षतिग्रस्त कर निर्माण कार्य शुरू किए जाने पर नगरपालिका प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इस संबंध में नगरपालिका अध्यक्ष और प्रभारी सीएमओ ने संयुक्त रूप से केंट थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। नगरपालिका द्वारा केंट टीआई अनूप भार्गव को दिए गए आवेदन में बताया गया है कि जगनपुर स्थित पीएम आवास कॉलोनी के पूर्व दिशा में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा बिना किसी अनुमति के बाउंड्री लाइन डालकर निर्माण का प्रयास किया जा रहा था। तीन दिन पहले नगरपालिका की टीम ने मौके पर पहुँचकर इन्हें मौखिक रूप से काम रोकने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद 29 मार्च को अज्ञात लोगों ने दुस्साहस दिखाते हुए कॉलोनी की सरकारी बाउंड्री वॉल को तोड़ दिया और वहां अवैध खुदाई शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगरपालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता और प्रभारी सीएमओ मंजूषा खत्री ने केंट थाने पहुँचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। नगरपालिका प्रशासन का दावा है कि कॉलोनी की सीमा के भीतर जबरन कब्जा करने की कोशिश की जा रही है, जो पूरी तरह अवैध है। आवेदन में मांग की गई है कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने और अवैध अतिक्रमण की कोशिश करने वाले अज्ञात आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाए। सरकारी जमीन पर इस तरह के खुलेआम अतिक्रमण के प्रयास से क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। पुलिस ने आवेदन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कबाड़ बीन रहे युवक पर अज्ञात दबंग का हमला, लहूलुहान हालत में अस्पताल चौकी पहुंचा पीड़ित

गुना। शहर के बोहरा मस्जिद क्षेत्र में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां सोमवार को कबाड़ बीनकर अपना गुजर-बसर करने वाले एक निर्दोष युवक पर एक अज्ञात व्यक्ति ने जानलेवा हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। सिर पर गहरा जख्म होने और शरीर से अत्यधिक खून बहने की स्थिति में जब युवक जिला अस्पताल की पुलिस चौकी पहुंचा, तो वहां मौजूद पुलिसकर्मी और आम लोग भी उसकी हालत देख दंग रह गए। पीड़ित युवक की पहचान पवन पिता कन्हैया सपेरा के रूप में हुई है, जो मूलतः सोजना गांव का निवासी बताया जा रहा है। पवन ने बताया कि वह कबाड़ बीनने के काम से शहर आया हुआ था। दोपहर के समय जब वह बोहरा मस्जिद के पीछे कबाड़ इकट्ठा कर रहा था, तभी एक अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचा और बिना किसी कारण के उसे गंदी-गंदी गालियां देने लगा। जब पवन ने विरोध किया, तो उक्त व्यक्ति ने उसके सिर पर जोरदार प्रहार कर उसे लहूलुहान कर दिया और धक्का देकर वहाँ से भगा दिया। हमले के बाद दर्द से कराहता और रोता-बिलखता पवन सीधे जिला अस्पताल परिसर स्थित पुलिस चौकी पहुंचा। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए वहाँ मौजूद लोगों ने तुरंत उसकी सहायता की। पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल युवक को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसके सिर के घाव का उपचार किया। अस्पताल चौकी पुलिस ने पीड़ित पवन के बयानों के आधार पर अज्ञात हमलावर के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली है।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भगवान महावीर की 2625वीं जयंती

गुना। शांति और अहिंसा के अग्रदूत भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव सोमवार को गुना शहर में अत्यंत उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर समूचे जैन समाज ने न केवल अपनी आस्था प्रकट की, बल्कि वैश्विक अशांति के दौर में विश्व शांति की कामना भी की। आयोजन में अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक हितिका वासल सम्मिलित हुईं। भगवान महावीर की 2625वीं जयंती के उपलक्ष्य में गुना शहर को दुल्हन की तरह सजाया गया था। मुख्य आयोजन की शुरूआत चौधरी मोहल्ला स्थित बड़ा जैन मंदिर से हुई, जहाँ से भगवान जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों निचला बाजार, सदर बाजार, जयस्तंभ चौराहा और लक्ष्मीगंज नई सड़क से होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुँची। जगह-जगह तोरण द्वार सजाए गए थे और श्रद्धालुओं द्वारा मिठाई का वितरण कर खुशियाँ बांटी गईं। ढोल-नगाड़ों की थाप पर युवा और महिलाएं नृत्य करते नजर आए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर चल रहे ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच तनाव और युद्ध की स्थिति को देखते हुए जैन समाज ने विशेष प्रार्थना की। श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के चरणों में शीश नवाकर विश्व में मची अफरा-तफरी को समाप्त करने और संपूर्ण जगत में सुख, समृद्धि एवं शांति स्थापित करने की कामना की। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और गरिमा का विशेष ध्यान रखा गया। एसपी हितिका वासल ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की और भगवान महावीर के सिद्धांतों को प्रासंगिक बताया। शहर के हर कोने में उत्सव का माहौल रहा और लोगों ने एक-दूसरे को जन्म कल्याणक की शुभकामनाएं दीं।

आमने-सामने भिड़ीं मोटरसाइकिल, वन रक्षक सहित तीन घायल, घायल अस्पताल में भर्ती

गुना। आरोन थाना अंतर्गत ग्राम जैता डोंगर के पास सोमवार सुबह एक तिराहे पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने से जोरदार भिड़ंत हो गई, जिसमें छीपोन चौकी पर पदस्थ एक वनरक्षक और दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी सामने आई है कि फॉरेस्ट जवान उमेश यादव, जो वर्तमान में छीपोन चौकी पर पदस्थ हैं, सोमवार सुबह करीब 8 बजे अपनी ड्यूटी समाप्त कर बाइक से गुना लौट रहे थे। इसी दौरान जैता डोंगर तिराहे पर उनकी भिड़ंत सामने से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल से हो गई। दूसरी बाइक पर राजकुमार बंजारा अपने एक साथी के साथ सवार था। राजकुमार गुना के जज्जी बस स्टैंड स्थित एक पेट्रोल पंप पर कर्मचारी है। बताया जा रहा है कि वह रविवार को अपनी बहन से मिलने ग्राम टंक गया था और रात वहीं रुकने के बाद सोमवार सुबह वापस ड्यूटी पर लौट रहा था, तभी यह हादसा हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुँची और तीनों घायलों को जिला अस्पताल पहुँचाया।

पारदी महिलाओं का हंगामा, बच्चों को फेंकने की कोशिश और चक्काजाम से मचा हड़कंप

गुना। शहर के केंट थाना क्षेत्र में रविवार शाम उस समय स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई, जब पारदी समाज की महिलाओं और परिजनों ने थाने के बाहर मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने लूट के झूठे मामले में उनके समाज के निर्दोष युवकों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

29 मार्च की शाम करीब साढ़े 7 बजे भारी संख्या में पारदी समाज की महिलाएं और पुरुष केंट थाने के बाहर जमा हो गए। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर बैठकर आवागमन पूरी तरह बाधित कर दिया। परिजनों का कहना है कि पुलिस ने जिन युवकों को उठाया है, वे बेकसूर हैं, जबकि असली आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर खुलेआम घूम रहे हैं। उनकी मांग है कि पकड़े गए युवकों को तुरंत रिहा किया जाए। प्रदर्शन के दौरान हालात तब और बिगड़ गए जब कुछ उत्तेजित महिलाओं ने विरोध स्वरूप अपने बच्चों को सड़क पर फेंकने की कोशिश की। इतना ही नहीं, कुछ प्रदर्शनकारी चलती बसों के सामने लेटने और उनके नीचे आने का प्रयास करने लगे। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने बड़ी मशक्कत के बाद उन्हें सड़क से हटाया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। इस हंगामे के चलते लंबे समय तक वाहनों की कतारें लगी रहीं। वहीं, इस पूरे मामले पर पुलिस का कहना है कि गादेर के पास हुई लूट की वारदात की जांच के बाद पुख्ता साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पूरी कार्रवाई नियम अनुसार की गई है और किसी भी निर्दोष को परेशान नहीं किया जा रहा है। हंगामे की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुँचे।

ग्रामीणों को मिला आपदा प्रबंधन का 'सुरक्षा मंत्र', पूर्व से सतर्क रहें

नवभारत न्यूज

गुना। प्राकृतिक आपदाएं बताकर नहीं आतीं, लेकिन यदि हम पूर्व से सतर्क और प्रशिक्षित हों, तो जन-धन की बड़ी हानि को टाला जा सकता है। इसी उद्देश्य के साथ मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद और आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में जिले के ग्राम पंचायत सनबाड़ा और ग्राम बासखेड़ी में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्थानीय ग्राम पंचायत भवनों में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने आपदाओं से निपटने के व्यावहारिक गुर सीखे। प्रशिक्षण के मुख्य वक्ता और ब्लॉक समन्वयक अमित गोयल ने ग्रामीणों को आपदा प्रबंधन की बारीकियों से अवगत कराते हुए बताया कि आपदा के समय घबराहट ही सबसे बड़ी दुश्मन होती है। उन्होंने विशेष रूप से आगामी वर्षाकाल का जिक्र करते हुए कहा कि अत्यधिक वर्षा के दौरान बाढ़ या जलभराव जैसी स्थितियों में किस प्रकार स्वयं की और अपने पशुधन की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

कार्रवाई टीम ने शहर के व्यस्ततम इलाकों में दबिश दी और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कदम उठाए

चार प्रतिष्ठानों से सिलेंडर जब्त, संचालकों में हड़कंप

नवभारत न्यूज

गुना। शहर में घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और उनके अवैध व्यावसायिक दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के सख्त रुख के बाद सोमवार को शहर के प्रमुख होटल और मिष्ठान प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई, जिससे अवैध रूप से घरेलू सिलेंडरों का इस्तेमाल कर रहे संचालकों में हड़कंप मच गया।

जिला आपूर्ति अधिकारी अवधेश पांडेय के कुशल निर्देशन में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आशीष चतुर्वेदी की टीम ने शहर के व्यस्ततम इलाकों में दबिश दी और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कदम उठाए। इस सघन जांच अभियान के दौरान नई सड़क स्थित महावीर स्वीट्स, श्री राम चाट भंडार, ख्यावदा चौराहा स्थित गोलू ग्वाल और तेलघानी क्षेत्र के पीताम्बरा कचौड़ी पर छापामार कार्रवाई की गई। जांच दल ने पाया कि इन चारों ही प्रतिष्ठानों में घरेलू उपयोग के लिए निर्धारित गैस सिलेंडरों का धड़ल्ले से व्यावसायिक कार्यों में उपयोग किया जा रहा था। जब संचालकों से इस संबंध में वैध दस्तावेज और कमर्शियल कनेक्शन के कागजात मांगे गए, तो वे कोई भी संतोषजनक उत्तर या प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके परिणामस्वरूप, टीम ने मौके से चार घरेलू गैस सिलेंडर जब्त कर लिए और संचालकों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया। इन सभी के खिलाफ द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश 2000 के तहत मामला दर्ज किया गया है, जो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत एक गंभीर और दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। प्रशासन की इस मुहिम का दायरा केवल यहीं तक सीमित नहीं रहा; टीम ने सदर बाजार के केवलचंद अशोककुमार, सोलत गली के प्रभुलाल हलवाई, नयापुरा की विपुल बेकरी, गल्लामंडी के विजय हलवाई और टेकरी मंदिर स्थित खाटू श्याम चाट भंडार का भी बारीकी से निरीक्षण किया। हालांकि, इन केंद्रों पर भोजन पकाने के लिए वैकल्पिक संसाधनों जैसे डीजल भट्टी, कोयला भट्टी और इंडक्शन का उपयोग होता पाया गया, जिसे विभाग ने नियमानुसार सही माना। जिला प्रशासन ने सभी होटल और हलवाई संचालकों को स्पष्ट हिदायत दी है कि वे भविष्य में घरेलू गैस सिलेंडरों के उपयोग से बचें और अधिक से अधिक इंडक्शन या डीजल भट्टियों को अपनाएं।

दबंगों के आतंक से परेशान महिला ने सड़क पर लेटकर बताई आपबीती

गुना। शहर की राधा कॉलोनी में एक परिवार पिछले दो वर्षों से कथित तौर पर पड़ोसी दबंगों के प्रताड़ना का शिकार हो रहा है। सुनवाई न होने से हताश होकर पीड़ित महिला ने सोमवार को हनुमान चौराहे पर ट्रैफिक के बीचों-बीच लेटकर अपनी जान देने की कोशिश की। इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया।

पीड़ित रेखा बाई सेन और उनके पति का आरोप है कि राधा कॉलोनी में रहने वाले दबंग पड़ोसी पिछले दो साल से उन्हें लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं। विवाद तब और बढ़ गया जब कल देर शाम दबंगों ने उनके घर में घुसकर जमकर उत्पात मचाया। रेखा के मुताबिक हमलावरों ने घर के बाहर खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ की और दंपत्ति के साथ मारपीट की, जिसमें रेखा बाई का सिर फूट गया। रेखा और उनके परिजनों का आरोप है कि घटना की शिकायत लेकर जब वे सिटी कोतवाली पहुँचे, तो वहां उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। पुलिस की कार्यप्रणाली से क्षुब्ध होकर घायल रेखा बाई हनुमान चौराहे पहुँच गईं और वाहनों के बीच सड़क पर लेट गईं। महिला का कहना था कि जब पुलिस सुरक्षा नहीं दे सकती, तो वह अपनी जान दे देगी। चौराहे पर महिला के लेटने से अफरा-तफरी मच गई और ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई।

महंगाई के खिलाफ ज्ञापन देने पहुंचे कांग्रेसियों ने गाया भजन, छुट्टी की वजह से एसडीएम नहीं मिलीं, जताई नाराजगी

गुना। रसोई गैस की किल्लत, बिजली दरों में बढ़ोतरी और पेट्रोल-डीजल के दामों में बेतहाशा वृद्धि के विरोध में सोमवार को शहर कांग्रेस कमेटी ने गुना के हनुमान चौराहे पर उग्र प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश और जिला अध्यक्ष जयवर्धन सिंह के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा और केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों को जमकर आड़े हाथों लिया। प्रदर्शन के दौरान उस समय स्थिति गंभीर हो गई जब कांग्रेस नेता ज्ञापन देने एसडीएम कार्यालय पहुँचे। नेताओं का आरोप था कि एसडीएम ने दोपहर 1 बजे का समय दिया था, लेकिन उनके पहुँचने पर अधिकारी मौजूद नहीं थे। कर्मचारियों ने बताया कि 30 मार्च को महावीर जयंती पर छुट्टी है। इस पर नाराज कांग्रेसियों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और एसडीएम को मौके पर बुलाने की मांग की। जब कोई अधिकारी नहीं आया, तो कांग्रेसी कार्यालय परिसर में ही धरने पर बैठ गए और 'रघुपति राघव राजा राम' भजन गाकर अपना विरोध दर्ज कराया। बाद में नायब तहसीलदार कमल सिंह मंडेलिया ने मौके पर पहुँचकर ज्ञापन लिया।

इससे पहले हनुमान चौराहे पर हुए प्रदर्शन को संबोधित करते हुए शहर अध्यक्ष पं. रजनीश शर्मा ने कहा कि महंगाई की मार ने आम नागरिक की कमर तोड़ दी है। एलपीजी और पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत से रोजमर्रा की वस्तुएं महंगी हो गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने गैस के दाम 60 रुपए बढ़ा दिए हैं और आगे भी बढ़ोतरी की संभावना है। गैस बुकिंग का वेटिंग टाइम बढ़ने से लोग परेशान हैं। बढ़ती लागत के कारण उद्योग-धंधे बंद होने की कगार पर हैं, जिससे बेरोजगारी चरम पर पहुँच गई है।

कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार की विदेश नीति की भी आलोचना की और मांग की कि ईंधन पर लगने वाले टैक्स को तत्काल कम किया जाए ताकि आमजन को राहत मिल सके। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि ऐसी सरकारों को उखाड़ फेंकें जो महंगाई को बढ़ावा दे रही हैं। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने सरकार विरोधी तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया।